

आधुनिकतम टच तकनीक पर कार्यशाला

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी में आधुनिकतम टच तकनीक विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, इसमें रीयल व वर्चुअल टच में सक्षम



रोबोटिक तकनीक अथवा 'हैप्टिक्स' के वैश्विक संस्थापक प्रो.मंडायम ए.श्रीनिवासन ने कहा कि हैप्टिक्स एक उभरता हुआ विज्ञान है, जो वास्तव में दूर रखी वस्तुओं को टच करने के सेंस को रीक्रिएट करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके लिए जिन तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है,

उनमें शामिल हैं माइक्रो-इलेक्ट्रो-मकेनिकल सिस्टम (एमईएमएस), टैक्टाइल ऐरे सेंसर और वियरेबल टैक्टाइल डिस्प्ले, ताकि दूर बैठकर किसी कार्य को अपने हाथों के जरिए

अंजाम देने में अधिक वास्तविकता का अनुभव हो। इस मौके पर आईआईसीडी की डायरेक्टर डॉ.तूलिका गुप्ता ने कहा कि क्राफ्ट्स के क्षेत्र में हैप्टिक तकनीक का बेहद रोचक इस्तेमाल किया जा सकता है, खासतौर से राजस्थान

के समृद्ध क्राफ्ट्स और डिजाइन कार्य के लिए। क्राफ्ट्स का काम करने वाले लोगों को प्रशिक्षण देने के लिए हैप्टिक सिम्युलेटर्स का विकास किया जा सकता है। इस मौके पर जेकएलयू के वाइस-चांसलर डॉ.आर.एल.रेना, डीन डॉ.जे.पी.नायडू सहित अन्य गणमान्य लोगों ने विचार व्यक्त किए।